भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 170

19 दिसंबर, 2023 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी किलकारी योजना के लाभ

***170. श्री सतीश चंद्र दूबे:**

क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) किलकारी योजना देश में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की चुनौतियों का किस प्रकार समाधान करती है तथा इसके आरंभ होने की तारीख और इसके दायरे में आने वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) माताओं और बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार के लिए किलकारी योजना की आकांक्षाएं और लक्ष्य क्या-क्या हैं; और

(ग) अब तक किए गए सफल आह्वानों का किलकारी योजना की समग्र पहुंच और प्रभावशीलता पर किस प्रकार प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

19 दिसंबर, 2023 के लिए राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 170 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (ग): **किलकारी** कार्यक्रम जच्चा और गर्भवती महिलाओं के लिए डिजीटल इंडिया पहल के भाग के रूप में 15 जनवरी, 2016 को शुरू की गई मोबाइल आधारित सेवा है, जिसका उद्देश्य है लाभार्थियों को गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और बच्चे की स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में प्रत्यक्ष संदेश भेजकर अपने नवजातों की स्वास्थ्य परिचर्या के लिए बेहतर स्वास्थ्यकर विकल्प चुनने के लिए प्रोत्साहित करना।

यह श्रवण आधारित सेवा है और इससे ग्रामीण भारत की साक्षरता को लेकर समस्या नहीं होती। किलकारी कार्यक्रम के अंतर्गत आरसीएच पोर्टल में पंजीकृत महिलाओं को इंटरैक्टिव वॉयस रेस्पोंस (आईवीआर) के माध्यम से गर्भावस्था, बच्चे के जन्म और बच्चे की स्वास्थ्य परिचर्या के बारे में नि:शुल्क, सप्ताह में एक बार, उपयुक्त समय पर ओडियो संदेश भेजे जाते हैं। संदेश भेजने का सिलसिला गर्भावस्था की दूसरी तिमाही में शुरू होता है और बच्चे की एक वर्ष की आयु होने तक जारी रहता है। गर्भवती माता का डाटा दोनों एप्लीकेशनों के बीच कार्यान्वित की गई वेब सेवा के माध्यम से आरसीएच पोर्टल से किलकारी तक पहुंचता है।

इस कार्यक्रम में माताओं और परिवारों को गर्भावस्था और नवजात आयु के दौरान अपनाई जाने वाली आदतों और परिपाटियों के बारे में जानकारी दी जाती है। साप्ताहिक संदेशों से परिवारों को इस महत्वपूर्ण अवधि के दौरान प्रत्येक सप्ताह के लिए प्राथमिक कार्यों के बारे में शिक्षित करने, याद दिलाने और इन्हें अमल में लाने में मदद मिलती है। इस कार्य से न केवल गर्भवती महिलाओं और बच्चों का अनेक खतरों से बचाव होता है, बल्कि इससे स्वस्थ नतीजे भी मिलने सुनिश्चित होते हैं।

किलकारी परियोजना 18 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों नामत: असम, बिहार, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, जम्मू और कश्मीर, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में सेवारत हैं।

विगत कुछ वर्षों के दौरान किलकारी परियोजना के अंतर्गत मिली सफल कॉलों की संख्या नीचे दी गई है:

किलकारी के अंतर्गत प्राप्त सफल कॉलें

क्र.सं.	वर्ष	सफल कॉलों की कुल संख्या
1	2017-18	6,44,29,759
2	2018-19	8,34,19,787
3	2019-20	8,00,04,848
4	2020-21	7,32,10,598
5	2021-22	4,75,45,063
6	2022-23	7,71,16,051
7	2023-24 (नवंबर, 2023 तक)	6,40,68,840

ये कॉलें अपनी विशिष्टता के कारण सभी राज्यों में माताओं और परिवारों के लिए मददगार रही हैं। ऑडियो संदेशों से दी गई जानकारी प्रसवपूर्ण और प्रसवोपरांत स्वास्थ्य परिचर्या के साथ-साथ पोषण में सहायक होती हैं। ये संदेश प्रत्येक लाभार्थी की गर्भावस्था की अवधि के अनुसार विशेष तौर पर तैयार किए जाते हैं जो उन्हें आभार की अनुभूति कराती हैं। ये संदेश लाभार्थियों को मांगी जाने वाली उपयुक्त स्वास्थ्य परिचर्या सेवा के बारे में समय पर जानकारी देने में सहायक हैं। किलकारी कार्यक्रम से लाभार्थियों को स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंचाने में आशाकर्मियों का कार्य आसान हुआ है और इससे उनका कार्यभार भी कम हुआ है। किलकारी से परिवारों को मिले सहयोग के परिणामस्वरूप उनके व्यवहार में परिवर्तन आया है और इससे सेवाओं का उपयोग भी बढ़ा है। यह महामारी के दौरान भी लाभदायक सिद्ध हुआ है जब प्रत्यक्ष दौरा करना वास्तव में कठिन था। यह कार्यक्रम स्वास्थ्य परिचर्या का लाभ उठाने की इच्छा को बढ़ावा देने के जागरूकता अभियानों में भी उपयोगी रहा है।

****